

गद्दीपरबैठना- सिंहासनारूढ़ होना, उत्तराधिकारी होना; गद्दी चलाना- शिष्य परम्परा का जारी होना।

गद्दी नशीन वि. (देश.+फ़ा.) 1. सिंहासनारूढ़, जिसे राज्याधिकार मिला हो 2. उच्चाधिकारी।

गद्य पुं. (तत्.) 1. साहित्य का वह भेद जो छंदोबद्ध न हो, वचनिका विलो. पद्य 2. ऐसी सीधी सादी भाषा जिसमें किसी प्रकार की बनावट न हो।

गद्यात्मक वि. (तत्.) गद्य में लिखा या रचा हुआ, गद्य का।

गधा पुं. (तद्.) दे. गदहा वि. नामसङ्ग, मूर्ख, अहमक मुहा. गधा पीटे घोड़ा नहीं होता- सिखाने से मूर्ख व्यक्ति समझदार नहीं होता; गधे को बाप बनाना- काम निकालने के लिए मूर्ख की खुशामद करना; गधे पर चढ़ाना- जलील, बेइज्जत करना; गधे से हल चलवाना- बिलकुल उजाड़ देना, बरबाद कर देना।

गधापन पुं. (देश.) मूर्खता, नासमझी।

गधूल पुं. (देश.) एक फूल का नाम।

गन पुं. (तद्.) 1. दूत, सेवक 2. परिषद।

गनगनाना अ.क्रि. (अनु.) 1. खड़ा होना 2. रोमांच होना।

गननाना अ.क्रि. (अनु.) 1. शब्द से भर जाना, गूँजना 2. चक्कर में आना, घूमना, फिरना।

गनगौर स्त्री. (तद्.) 1. चैत्र शुक्ला तृतीया, इस दिन गणेश और गौरी की पूजा होती है 2. पार्वती, गिरिजा।

गन मेटल पुं. (अं.) कांस्य की एक किस्म जिसमें 90 प्रतिशत तांबा और 10 प्रतिशत टिन होता है।

गनिका स्त्री. (तद्.) 1. वेश्या 2. धन के लोभ से प्रेम करने वाली स्त्री।

गनियारी स्त्री. (देश.) एक झाड़ जिसकी लकड़ी रगड़ने से आग निकलती है, छोटी अरनी।

गनी वि. (अर.) 1. धनी, धनवान 2. निस्पृह, अनिच्छुक 3. बेपरवाह 4. संतुष्ट स्त्री. (देश.) पटसन की रस्सियों से बुना हुआ मोटा टाट जिसके बोरे या थैले बनते हैं।

गनी बैग पुं. (अर.+अं.) बोरा।

गनीम पुं. (अं.) 1. लुटेरा, डाकू 2. बैरी, शत्रु।

गनीमत स्त्री. (अर.) 1. लूट का माल 2. वह माल जो बिना परिश्रम मिले, मुफ्त का माल जैसे- उससे जो कुछ मिल जाए वही गनीमत है 3. संतोष की बात, धन्य मानने की बात 4. बड़ी बात जैसे- किसी तरह पेट पाल ले यही गनीमत है।

गन्ना पुं. (देश.) ईख, ऊख।

गप स्त्री. (तद्.) 1. इधर उधर की बात, जिसकी सत्यता का निश्चय न हो 2. वह बात जो किसी प्रयोजन से न की जाए, बकवाद 3. झूठी बात, मिथ्या प्रसंग, कपोल कल्पना 4. झूठी खबर, अफवाह, मिथ्या-संवाद 5. वह झूठी खबर जो बढ़ाई करने के लिए की जाए, डींग (अनु.) बहुत जल्दी खाने/निगलने की क्रिया।

गपकना स.क्रि. (देश.) चटपट निगलना, झट से खा लेना।

गपड़चौथ पुं. (देश.) 1. गड़बड़, गोलमाल 2. व्यर्थ की बकवास, गप।

गपचना स.क्रि. (देश.) फेंकी गई वस्तु को दोनों हथेलियाँ जोड़कर या एक हाथ से दृढ़तापूर्वक पकड़ना।

गपना स.क्रि. (देश.) गपमारना, बकवाद करना, व्यर्थ बात करना।

गपागप क्रि.वि. (देश.) जल्दी-जल्दी (खाना) चटपट।

गपिया वि. (देश.) गप मारने वाला, बकवादी, गप्पी, झूठ बात कहने वाला।

गपोड़ पुं. (देश.) दे. गपोड़ा।

गपोड़ा पुं. (देश.) मिथ्या बात, कपोलकल्पना, गप।

गपोड़े बाजी स्त्री. (देश.) झूठ-मूठ की बकवास।